एक नजर में

8 दिवसीय अभा संजा लोकोत्सव आरंभ

उज्जैन। प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था द्वारा संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली, संस्कृति संचालनालय म.प्र., आईसीसीआर नई दिल्ली, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज, मध्य प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति एवं विक्रम विश्वविद्यालय के सहयोग से मालवा की विलुप्त होती लोक कलाओं परम्परा के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य आयोजित 8 दिवसीय अखिल भारतीय संजा लोकोत्सव के प्रथम दिवस वृहद स्तर पर लोकगीत और लोकनृत्य प्रतियोगिता कालिदास अकादमी के अभिरंग नाटक गृह में आयोजित की गई। संस्था नृत्य विद्या प्रमुख लोकेश सिंह तोमर ने बताया कि संजा लोकोत्सव का शुभारंभ अनिल जैन कालूहेड़ा विधायक, श्रीपाद जोशी राष्ट्रीय नाट्य विधा सह प्रमुख संस्कार भारती, आनंद शर्मा जिला शिक्षा अधिकारी, कृष्णा वर्मा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अतिथियों का स्वागत डॉ. शिव चौरसिया, कुमार किशन, प्रवीण चतुर्वेदी, सिद्धार्थ भागचंदानी ने किया। कार्यक्रम की रूपरेखा संस्था निदेशक डॉ. पल्लवी किशन ने बताई। संचालन शेफाली चतुर्वेदी ने किया। लोकेश सिंह तोमर ने बताया कि प्रथम दिन 7 सितंबर को सामूहिक लोकगीत, सामूहिक लोकनृत्य एवं एकल लोकनृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें उज्जैन और उसके आसपास के अन्य क्षेत्रों के लगभग 450 प्रतिभागियों ने उत्साह से भाग लिया। लोकगीत के निर्णायक के रूप में कृष्णा वर्मा, माधव तिवारी, उज्ज्वला दुबे एवं लोकनृत्य के निर्णायक के रूप में प्रमोद मेहता इंदौर, संजय महाजन बड़वाह, सीमा शर्मा नागदा विशेष रूप से आमंत्रित किए गए। अभा संजा लोकोत्सव में द्वितीय दिवस आज 8 सितंबर को विद्यार्थियों को मालवी लोक कला एवं संस्कारों से जोड़ने के उद्देश्य से कालिदास कन्या महाविद्यालय देवास गेट पर दोपहर 12 बजे संजा एवं मांडना विषय पर लेक्चर डेमोंसट्रेशन का कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ मालवी साहित्यकार डॉ. शिव चौरसिया, डॉ. शैलेंद्र कुमार शर्मा एवं डॉ पल्लवी किशन द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित किया जाएगा एवं संजा बनाने के प्रशिक्षण के साथ ही मालवी लोक नृत्य की प्रस्तुति प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था के कलाकारों द्वारा दी जाएगी।

उकेरी देवी अहिल्या कि शिवभक्ति

उज्जैन। दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आर्ट गैलरी कालिदास अकादमी में आयोजित 6 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी आलेख्य का शुभारंभ हुआ यह प्रदर्शनी 12 सितंबर तक चलेगी। यह प्रदर्शनी पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर के जन्म त्रिशताब्दी वर्ष और महाकुंभ की भव्यता को समर्पित है। प्रदर्शनी में देशभर के विभिन्न कलाकारों की कृतियों ने भारतीय संस्कृति, परंपरा और इतिहास को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। शुभारंभ अवसर पर कालिदास अकादमी के डायरेक्टर डॉ गोविंद गन्धे, वरिष्ठ मांडना आर्टिस्ट कृष्णा वर्मा व पल्लवी किशन उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत संस्थान की मीडिया को-ऑर्डिनेटर श्वेता तिवारी ने किया। देशभर से इस विषय पर हमें करीब 200 कलाकारों की कलाकृतियां मिली थीं, जिनमें से 53 को चुनकर प्रदर्शनी में शामिल किया गया है। दोनों विषयों पर बने चित्रों में भारतीय संस्कृति, इतिहास और परंपरा की झलक नजर आ रही है। दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर की निदेशक आस्था कार्लेकर ने बताया कि कलाकारों ने देवी अहिल्या की शिव भक्ति से लेकर महिलाओं को शिक्षित करने के उनके प्रयास तक को कैनवास पर उतारा है। कैनवास पर एक चित्र में देवी अहिल्या बाई होलकर माहेश्वरी साड़ी हैंडलूम के साथ नजर आ रही हैं। कुंभ के चित्रों को देखकर लग रहा है मानो यहां खड़े खड़े कुंभ नगरी प्रयागराज पहुंच गए हो। इस प्रदर्शनी को कला प्रेमियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में देखा। कला वीथिका में दर्शकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। चित्रों के माध्यम से दर्शकों ने पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर के त्याग, सेवा और जनकल्याण के कार्यों के साथ-साथ महाकुंभ की अद्भुत सांस्कृतिक और आध्यात्मिक छटा का अनुभव किया।

श्राद्ध की पूर्णिमा से ही उज्जैन में पिंडदान

उज्जैन। श्राद्ध शुरू होते ही रविवार से उज्जैन के शिप्रा किनारे स्थित प्रमुख रामघाट, भैरवगढ़ में सिद्धवट और अंकपात के पास गयाकोठा तीर्थ पर पितरों की आत्मशांति के लिए पिंडदान करने के लिए देशभर से श्रद्धालु उमड़ना शुरू हो गए। वहीं कुछ पंडों ने ऑनलाइन श्राद्ध की पूजा कराने की व्यवस्था भी की है। उज्जैन भारत की प्राचीन सप्तपुरियों में से एक है। यहां शिप्रा के तट पर पितरों के मोक्ष के लिए पिंडदान-तर्पण की परंपरा होने से हर साल श्राद्ध पक्ष के दौरान देश व दुनियाभर के श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। उज्जैन के तीर्थ पुरोहित पंडित राजेश त्रिवेदी आम वाला पंडा ने बताया कि कई कारणों से श्रद्धालु उज्जैन नहीं आ सकते हैं। उनके लिए श्राद्ध पक्ष के दौरान यहीं घाट से ऑनलाइन तर्पण पूजा कराने की भी सुविधा की गई है। श्रद्धालुओं ने रविवार को पूर्णिमा के श्राद्ध के साथ ही इस सुविधा का लाभ लेना शुरू कर दिया। पहले दिन यूपी के बुलंदशहर के सुरेंद्र शर्मा और गाजियाबाद के अमर उपाध्याय ने ऑनलाइन तर्पण-पूजन संपन्न कराया। पूजन के बाद उन्होंने दक्षिणा भी ऑनलाइन ही भेजी।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई शिव महा पुराण

उज्जैन। रविवार प्रातः कलश यात्रा के साथ शिव महा पुराण कथा का विधिवत शुभारम्भ हुआ। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। यात्रा पूरी कॉलोनी के साथ ही मुख्य मार्ग से होकर पुनः कॉलोनी के गार्डन में पंहुची। जहां पर विधि विधान से कथा प्रारंभ हुई। कथा 7 सितम्बर से 13 सितम्बर तक दोपहर 2 से 5 तक चलेगी। आयोजन में कॉलोनी के साथ ही आस-पास के धर्मालुजन भी कथा श्रवण के लिए पहुंचे। कथा व्यास पं.कमल नयन शास्त्री ने बताया की इस आयोजन की महत्वपूर्ण बात यह है की इस इस कथा में कोई भी आयोजक नहीं है वरन आयोजन करने वाले महादेव और कराने वाले भी महादेव है। कथा में प्रथम दिवस धर्मालुजनो को शिव महापुराण कथा का श्रवण सुमधुर भजनों के साथ कराया गया। इस अवसर पर रेखा अग्रवाल, रीना रामी, अलका केलवा, गीता सैनी, हेमलता पांचाल, डॉ. एच के अग्रवाल, सुरेश रामी, ओंकारमल सैनी, जगदीश केलवा सहित बड़ी संख्या में धर्मालुजन उपस्थित थे। यह जानकारी पराग पांचाल ने दी।

शहर में निकला झिलमिलाती झांकियों का भव्य कारवां, अनंत चतुर्दशी पर छाया उल्लास

नगर निगम की झांकियां भी निकली, जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन ने झोंकी ताकत, भगवान श्री गणेश जी का विसर्जन भी दिन भर होता रहा

उज्जैन। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शहर में झांकियों का भव्य कारवां निकला। आकर्षक झांकियों में शामिल कलाकारों ने मनमोहक करतब दिखाकर जनसमुदाय का मन जीत लिया। श्रद्धालु और नागरिक पूरी रात जागकर झांकियों का अवलोकन करते रहे। जगह-जगह झांकियों का स्वागत किया गया और धार्मिक उत्साह का अद्भुत नजारा देखने को मिला। झांकियों के दौरान जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और नगर निगम ने व्यवस्थाएं संभालीं। पुलिस महकमे के जवान पूरी रात ड्यूटी पर तैनात रहकर सुरक्षा व्यवस्था में लगे रहे। वहीं नगर निगम ने सड़कों की सफाई और प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया।

> **अनंत चतुर्दशी भारी उत्साह, दिखी एकजुटता**
>
> अनंत चतुर्दशी पर आमजन में भारी उत्साह देखा गया। गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन भी संपन्न हुआ। इस दौरान उज्जैन नगर निगम ने जनता को जागरूक करते हुए तय किए गए विसर्जन स्थलों की जानकारी दी और सभी से आग्रह किया कि निर्धारित स्थानों पर ही प्रतिमाओं का विसर्जन करें। धार्मिक आस्था और उत्साह से सराबोर यह आयोजन उज्जैन की सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकजुटता का अद्भुत उदाहरण रहा। सभी धर्म के अनुयायियों ने अनंत चतुर्दशी पर सहभागिता की किसी ने झांकियां देखी तो किसी ने इस दौरान स्वागत किया अलग-अलग मंचों से कलाकारों का स्वागत सम्मान भी किया गया।

आयुक्त ने किया झांकी का पूजन

उज्जैन में अनंत चतुर्दशी के अवसर पर नगर निगम द्वारा झिलमिल झांकियां निकाली गईं। इस दौरान निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने झांकियों का पूजन एवं अवलोकन किया। झांकियों में ऑपरेशन सिंदूर की प्रतिकृति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। नगर निगम एवं पीएचई विभाग द्वारा कुल 4 झांकियों का निर्माण किया गया। इनमें नगर निगम की ओर से ऑपरेशन सिंदूर और भगवान श्रीकृष्ण का बांसुरी वादन, वहीं पीएचई विभाग की ओर से अश्वमेध यज्ञ एवं कृष्ण लीला की झांकी ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया।

नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा फायर ब्रिगेड मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने सर्वप्रथम झांकियों का निरीक्षण एवं पूजन किया। इससे पूर्व उन्होंने नगर निगम मुख्यालय पर विराजित भगवान श्री गणेश का पूजन-अर्चन कर विसर्जन हेतु विधि-विधान से प्रार्थना की और उज्जैन शहर व नगर निगम परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर नगर निगम सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति की ओर से निगम आयुक्त मिश्रा का साफा बांधकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नितिन मुसले, गोपाल त्रिवेदी और मोनू थनवार सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नवभारत से चर्चा में एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि झीलमिलाती झांकियो का कारवां अनंत चतुर्दशी की रात्रि में जब निकला तो सभी थाना क्षेत्र का पुलिस बल सुरक्षा के लिए जुटा रहा पुलिस चप्पा चप्पा पर तैनात रही।

शिप्रा नदी से मिला उन्हेल थाना प्रभारी का शव

एसआई, महिला आरक्षक की तलाश में रेस्क्यू अभियान जारी

उज्जैन। शिप्रा नदी से रविवार सुबह उन्हेल थाना प्रभारी का शव मिल गया। लेकिन एसआई और महिला आरक्षक की जानकारी नहीं लग पाई। दोनों की तलाश में रेस्क्यू अभियान जारी है। शनिवार रात तीनों पुलिसकर्मी कार सहित बड़े पुल से शिप्रा नदी में गिर गए थे। जिसके बाद एसपी खुद मौके पर पहुंचे थे।

शनिवार रात पुलिस प्रशासन अनंत चतुर्दशी चल समारोह की व्यवस्था में लगा हुआ था। तभी 9 बजे के लगभग सूचना मिली कि सफेद रंग की कार बड़े पुल से शिप्रा नदी में गिर गई है। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंच गए। बारिश के चलते शिप्रा का जलस्तर बढ़ा हुआ था और घाटों पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिसकर्मी तैनात थे, वह भी बड़े पुल पर पहुंचे। कार और उसमें सवार लोगों की तलाश में सर्चिंग अभियान शुरू किया गया। करीब 4 घंटे बाद रात 1 बजे सामने आया कि कार में उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा, एसआई मदनलाल निनामा और महिला आरक्षक आरती पाल सवार थे। घटनाक्रम के बाद ही एसपी प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंच गए थे। होमगार्ड की एसडीआरएफ टीम के साथ दर्जनों गोताखोर द्वारा शुरू की गई। लेकिन अंधेरा गिरने पर रात 2 बजे के लगभग सर्चिंग अभियान को रोक दिया गया। रविवार सुबह 6 बजे से फिर सर्चिंग शुरू की गई। स्थानीय होमगार्ड टीम के साथ ही धार से राष्ट्रीय स्तर की टीम को बुलाया गया। बड़े पुल से चक्रतीर्थ के आसपास गोताखोरों के साथ टीम में तलाश में लगी हुई थी तभी खबर सामने आई की भैरवगढ़ पुल के समीप थाना प्रभारी अशोक शर्मा का शव मिल गया है। पुत्र मौके पर पहुंच गया था। एसपी प्रदीप शर्मा ने थाना प्रभारी का शव मिलने पर गहरा दुख व्यक्त किया और लापता एसआई के साथ महिला आरक्षक की तलाश के साथी उनके कार को खोज निकालने के अभियान को तेज करने के निर्देश जारी कर दिए। रविवार शाम तक दोनों पुलिस कर्मियों के शव नहीं मिल पाए थे ना हीं उनकी कर का पता चला था।

> **लापता बालिका की तलाश में निकले थे**
>
> एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि तीनों पुलिसकर्मी उन्हेल थाना क्षेत्र से लापता हुई 14 वर्षीय बालिका की तलाश में निकले थे। जानकारी मिली थी कि बालिका चिंतामण क्षेत्र में हो सकती है। लेकिन बड़े पुल से गुजरते समय अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और वह नदी में जा गिरी। जानकारी यह भी सामने आई है कि कार महिला आरक्षक आरती पाल की थी और ड्राइविंग भी वही कर रही थी। थाना प्रभारी का शव मिलने के बाद उनके भी एसआई और महिला आरक्षक के परिजन शिप्रा नदी पहुंच गए थे।

> **चक्रतीर्थ पर दिया गया गॉड ऑफ ऑनर**
>
> उन्हेल थाना प्रभारी का शव मिलने के बाद भैरवगढ़ थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान थाना स्टॉफ के साथ पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। शाम को दिवगंत शर्मा के बाहर से आये परिजनों के बाद शव पीपलीनाका स्थित घर ले जाया गया। जहां से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। चक्रतीर्थ पर पुलिस विभाग की ओर से गॉड ऑफ ऑनर दिया गया। जिसमें विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। उसके बाद पुत्र द्वारा मुखाग्नि दी गई।

जीवन में दुख मिले चाहे सुख दोनों की स्थिति में भगवान की उपस्थिति अनिवार्य

उज्जैन। धर्म की रक्षा के लिए भगवान इस धरती पर प्रकट होकर अधर्म का नाश करते हैं, जीवन में जब दुख आते हैं तभी भगवान की याद आती है इसलिए भगवान सदा सर्वदा निकट बने रहें माता कुंती ने इसी भावना के साथ भगवान से दुख मांगे।

श्रीमद्भागवत के द्वितीय दिवस की कथा में श्री धाम वृंदावन से पधारे परम पूज्य धन्वंतरी दास महाराज ने श्रीमद् भागवत की मंगलाचरण का विस्तार से वर्णन किया भगवान के 24 अवतारों की कथा सुनाते हुए बताया कि जीवन में दुख मिले चाहे सुख मिले दोनों की स्थिति में भगवान की उपस्थिति अनिवार्य है भगवान को कभी नहीं भूलना चाहिए, पिता में भीष्म की स्थिति का वर्णन किया और बताया जीवन के अंतिम समय में भगवान का नाम भगवान का दर्शन हो जाए ऐसा प्रयास करना चाहिए जिससे हमारी मति भगवान के चरणों में लग जाए। कथा के आयोजक हर्ष जायसवाल ने बताया कि जायसवाल परिवार द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन महाराजश्री ने श्री परीक्षित जी महाराज के जन्म कर्म की कथा सुनाई। साथ ही श्री परीक्षित जी महाराज को श्राप लगने की कथा भी सुनाई, सुखदेव जी महाराज के आगमन पर श्रीमद् भागवत की द्वितीय दिवस की कथा का विश्राम किया। स्व. बृजलाल जायसवाल, स्व. प्रभादेवी जायसवाल, स्व. सुरेशचंद जायसवाल, स्व. कुसुम देवी जायसवाल, स्व. अशोक जायसवाल की स्मृति में हो रही श्रीमद् भागवत कथा हेतु श्री धाम वृंदावन के प्रसिद्ध कथा वाचक अनंत सम्पन्न सद्गुरूदेव, महंत मदन मोहन दास के कृपा पात्र शिष्य धन्वंतरि दास महाराज श्रीमद्भगवत कथा करने के लिए पहली बार उज्जैन पधारे है। यह श्रीमद्भगवत कथा 6 सितंबर से प्रारंभ हुई जो 12 सितंबर तक प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक महाकाल परिसर, हीरामिल रोड़, कोयला फाटक चौराहा पर होगी।

कथा के आयोजक ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा में 8 सितम्बर को भागवत निरुपण चतुश्लोकी भागव विदुर मैत्रय संवाद कपिलोपाख्यान सतीष चरित्र एवं ध्रुव चरित्र। 9 सितम्बर को प्रियव्रत चरित्र, जड़ भरत चरित्र, वामन अवतार, राम जन्म एवं श्रीकृष्ण जन्म नंद महोत्सव मनाया जाएगा। 10 सितम्बर को पूतना वध, श्रीकृष्ण बाल लीला, शकट भंजन तृणावर्त उद्धार कालिया मर्दन एवं गोवर्धन पूजा। 11 सितम्बर को श्रीकृष्ण रासलीला, अक्रूर आगमन कंस वध, गोपी उद्धव संवाद, श्रीकृष्ण रुक्मणी विवाह एवं फाग उत्सव और 12 सितम्बर शुक्रवार 2025 श्रीकृष्ण के अन्य विवाहों की कथा भौमासुर उद्धार, सुदामा चरित्र नव योगेश्वर संवाद, फूल फाग उत्सव, कथा विश्राम, पूर्णाहुति का आयोजन होगा।

लापता वृद्ध और युवक की शिप्रा नदी से मिली लाश

तीन दिनों से थे लापता, सर्चिंग के दौरान मिली लाश

उज्जैन। तीन दिनों से लापता वृद्ध और युवक की रविवार दोपहर शिप्रा नदी से लाश मिलना सामने आया। दोनों जीवाजीगंज क्षेत्र से लापता थे जिनकी गुमशुदगी पुलिस ने दर्ज की थी।

शिप्रा नदी में शनिवार शाम कार में सवार उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा, एसआई मांगीलाल निनामा और महिला प्रधान आरक्षक आरती पाल गिर गए थे। जिनकी तलाश में सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान रविवार को ग्राम सुलिया खेड़ी से कैलाश पिता प्यारेलाल मारू निवासी नामदारपुरा की लाश मिलना सामने आया। 3 सितंबर से कैलाश लापता था जिसकी गुमशुदगी जीवाजीगंज थाना पुलिस ने दर्ज की थी। जांच में पता चला था कि उसने ऋण मुक्तेश्वर ब्रिज से शिप्रा नदी में छलांग लगाई थी। भैरवगढ़ पुलिस ने शव मिलने पर परिजनों को सूचना दी। इसी बीच पुलिस कर्मियों की तलाश में चलाए जा रहे सर्चिंग अभियान के दौरान ही ग्राम नानाखेड़ी से पंकज पिता महेश चंद्र पाटीदार 32 वर्ष निवासी तिरुपति ड्रीम्स का शव मिलना सामने आया। पंकज 5 सितंबर से लापता था। वह अपने ससुर की दुकान शंकराचार्य चौराहे से कुछ देर में आने का बोलकर निकला था। उसकी इलेक्ट्रिक गाड़ी बड़े पुल पर मिली थी। इसके बाद आशंका जताई गई थी कि उसने नदी में कूद कर अपनी जान दी है। नानाखेड़ी से शव मिलने के बाद परिजनों ने उसकी मौके पर पहुंचकर पहचान की। उसके लापता होने पर पत्नी ने जीवाजीगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

सब इंस्पेक्टर पद से सेवानिवृत्त हुए चोरड़िया का किया अभिनंदन

उज्जैन। मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में 40 वर्ष 4 माह की उत्कृष्ट सेवा कर सब इंस्पेक्टर पद से सेवानिवृत्त हुए नारायण सिंह चोरड़िया का पुलिस सामुदायिक भवन में विदाई समारोह आयोजित किया गया।

इस दौरान श्री गुरु रविदास मानस जन समिति के संस्थापक प्रकाश सूर्यवंशी, अध्यक्ष बाबूलाल थावलिया, धर्मेन्द्र बागेला एडवोकेट पूर्व कार्यकारिणी सदस्य अभिभाषक मंडल संघ, सावित्री बाई सूर्यवंशी समिति शहर अध्यक्ष उज्जैन आदि ने संत श्री शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की तस्वीर भेंटकर, साफा बांध कर व पुष्प माला पहनाकर नारायण सिंह चोरड़िया का अभिनंदन किया तथा मंगल मय जीवन की मंगलकामनाएं की।

महाकाल मंदिर में दान | **2 साल में 9 करोड़ रुपए से ज्यादा आय बढ़ी, साल 2025 में 1 करोड़ 25 लाख ने किए दर्शन**

श्रावण-भादो में महाकाल मंदिर में 23 करोड़ 61 लाख रुपए का दान आया

नवभारत न्यूज

उज्जैन। महाकाल मंदिर में इस साल श्रावण व भादो मास में 1 करोड़ 25 लाख यानी सवा करोड़ लोगों ने दर्शन किए। इससे मंदिर में दान भी खूब आया। दो माह में मंदिर प्रबंध समिति को 29 करोड़ 61 लाख रुपए की आय हुई है। यूं तो महाकाल के दरबार में साल भर ही दर्शन के लिए देश व दुनियाभर के श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। लेकिन हर साल श्रावण व भादो के महीने में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। इसका एक बड़ा कारण इन महीनों में भगवान महाकाल की सवारी निकलना भी है। जिसे देखने के लिए लोग हर पल ललायित रहते हैं।

दो माह में आए श्रद्धालुओं के साथ दान के आंकड़े जुटाए तो यह जानकारी मिली। मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि इस साल 2025 में श्रावण व भादो मास में सबसे अधिक श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़े तो दान भी बहुत आया। दो साल की आय की बात करे तो इस बार 9 करोड़ से भी ज्यादा तक आय बढ़ी है। यह अब तक की रिकॉर्ड तोड़ आय मानी जा रही है। महाकाल मंदिर में साल दर साल ऐसे बढ़ते गए दर्शनार्थी। आपको बता दे कि साल 2023 में 99 लाख श्रद्धालुओं ने महाकाल के दर्शन किए थे। साल 2024 में 90 लाख ही श्रद्धालु आए और इस साल यानी साल 2025 में 1 करोड़ 25 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ लिया। साल 2023 में मंदिर प्रबंध समिति को 20 करोड़ 26 लाख रुपए दान आया था। यानी प्रतिदिन समिति को करीब 51 लाख रुपए मिले। साल 2024 में 23 लाख 16 करोड़ रुपए का दान आया। यह प्रतिदिन 59 लाख रुपए था। इसके बाद इस साल 2025 में श्रावण-भादो में 29 करोड़ 61 लाख रुपए का दान मिला जो कि प्रतिदिन के हिसाब से औसत 75 लाख रुपए रहा। 2025 में 250 रुपए की टिकट से 10 करोड़ 79 लाख, लड्डू प्रसाद से 10 करोड़ 13 लाख, दान पेटियों से 5 करोड़ 23 लाख तथा अन्य मद से 3 करोड़ 26 लाख रुपए की आय हुई है। इस प्रकार समिति को कुल आय 29 करोड़ 61 लाख रुपए की हुई है।

> **चंद्रग्रहण : महाकाल की शयन आरती 1 घंटे पहले की गई**
>
> चंद्रग्रहण के चलते रविवार को कई सालों में ज्योतिर्लिंग महाकाल की शयन आरती तय समय से 1 घंटे पहले की गई। आरती के बाद पुजारी ने गर्भगृह के पट बंद कर भगवान को शयन कराया। जबकि प्रतिदिन महाकाल की शयन आरती रात 10.30 बजे शुरू होती है तथा आरती के बाद रात 11 बजे पट बंद किए जाते हैं। लेकिन रात 9.58 बजे से चंद्रग्रहण लगने के कारण ऐसा करना पड़ा। वैसे ग्रहण का सूतक तो दोपहर में 12.58 बजे ही लग गया था। लेकिन महाकाल मंदिर में सूतक मानने की परंपरा नहीं है। इसलिए मंदिर में दिनभर आम दर्शन चालू रहे व सुबह, दोपहर व शाम की आरती-पूजा भी नियमित रूप से ही की गई। ग्रहण का मोक्ष चूंकि मध्य रात में 1.26 बजे हुआ। इसलिए 8 सितम्बर की अल सुबह भगवान महाकाल की भस्मारती से पहले पुजारियों ने मंदिर के गर्भगृह व नंदी हॉल को कोटितीर्थ कुंड के पवित्र जल से धोकर शुद्ध किया। इसके बाद भस्मारती हुई। वहीं घरों और अन्य मंदिरों में भी सूतक माना गया।